मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

अंक : 29

माह : अप्रैल 2025

गीतकार

ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)

उच्च प्राथमिक विद्यालय जारी- 1

बड़ोखर खुर्द, बांदा

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

712

पाठ- 3 नदी घाटी की सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता)

प्रकरण- हड़प्पा वासियों का रहन-सहन/काम-धंधे

तर्ज- राधे कृष्ण की ज्योति..

आओ हड़प्पा के लोगों के,
भोज्य पदार्थ को जाने हम।
कैसे वस्त्र पहनते थे वो,
और क्या थे उनके आभूषण।।
कौन से पशु थे पालते वो,
और उगाते थे कौन फसल।।

चावल, गेहूँ और जौ था,
हड़प्पावासियों का भोजन।
खेती करते थे गेहूँ, जौ, तिल,
मटर कपास उगाते चावल।।
सूती ऊनी वस्त्र पहनते,
हार, कंगन, पायल, अंगूठी, आभूषण।
गाय, बैल, भैंस, भेड़, बकरी, सुअर, हाथी।
और ऊँट करते थे पालन।।
आओ हड़प्पा.....

ताँबे और टिन को मिलाकर,
कांसा बनाना सीख गए थे।
बैलगाड़ी और पहिया खोज बड़ी थीं,
कुल्हाड़ी, दर्पण प्राप्त हुए थे।
धातु निकालें वो धरती के नीचे से,
पिघलाना अभी सीख गए थे।।
मोहनजोदड़ो की खुदाई में,
मूर्ति मिली और मिले बर्तन।।
आओ हड़प्पा...

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

713

पाठ- 3 नदी घाटी की सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता)

प्रकरण- हड़प्पा वासियों का व्यापार

तर्ज- न कजरे की धार...

न रुपया चलता और न पैसा चलता।
फिर कैसे हो व्यापार, बोलो कैसे हो व्यापार।।

जो थे वह हड़प्पा वासी,
न इनका प्रयोग करते,
वस्तु के बदले वस्तु,
ही लेते और थे देते।।
वस्तु विनिमय इसको कहते,
होता ऐसे व्यापार।।
न रुपया चलता और न पैसा...

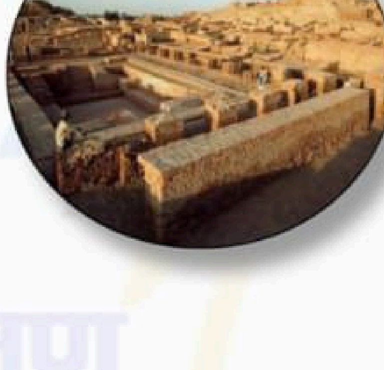

करने को नाप और तौल वो,
बटखरे प्रयोग करते।
धातु, पत्थर, हाथी दाँत की,
मिली खुदाई में मोहरें।।
हड़प्पा के लोग करते,
थे इराक से व्यापार।।
न रुपया चलता और न पैसा...

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

अप्रैल 2025

714

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 3 नदी घाटी की सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता)

प्रकरण- हड़प्पा के देवी-देवता

तर्ज- साजन मेरा उस पार

कौन थे उनके देवी देवता।
हड़प्पा वासी करते थे पूजा।।

मोहरें मिली खुदाई में बच्चों,
देखकर उनमें आकृतियाँ सोचो।
भैंसे के सींग वाले पशु देवता,
जिनकी हड़प्पा में होती पूजा।।
कौन थे उनके..

साँप और पीपल की पूजा भी करते,
वृक्षों, पशु और शिव को पूजते।
मातृ देवी की भी उपासना,
हड़प्पा वासी करते प्रार्थना।।
कौन थे उनके..

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 3 नदी घाटी की सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता)

प्रकरण- विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ

तर्ज- सुबह सवेरे लेकर..

नील नदी का मिला जिसे वरदान है।
बहुत पुरानी सभ्यता का नाम है।।

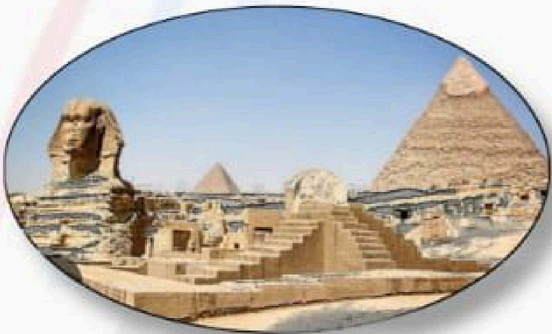

ममी पिरामिड मिश्र में पाए जाते हैं,
शव में नाइट्रोजन का लेप लगाते हैं।
भूमध्य सागर में क्रीट सभ्यता महान है,
बहुत पुरानी सभ्यता का नाम है।।

दजला फरात की सभ्यता मेसोपोटामिया,
जिगुरत में रहते थे उनके देवता।
ह्वागहों नदी में चीन सभ्यता की शान है,
बहुत पुरानी सभ्यता का नाम है।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 4 वैदिक काल

प्रकरण- वैदिक काल में शासन

तर्ज- कोठे ऊपर कोठरी ..

जन का प्रमुख होता राजा,
लोगों की रक्षा काम था।
वैदिक कालीन शासन में,
राजा का सम्मान था।।

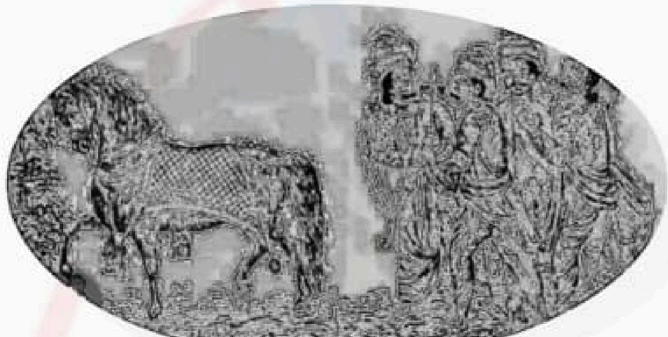

राजा का चुनाव शुरू में,
सभा के द्वारा करते थे।
सभा और समिति संस्था,
राजा पर काबू रखते थे।।
जन का प्रमुख....

सभा में आसन में जो बैठे,
वो राजन्य कहलाते थे।
सभी समस्याओं का हल,
सब साथ में निकलते।।
जन का प्रमुख....

वंशानुगत हो गया था,
राजा उत्तर वैदिक काल में।
लोग अनाज, वस्त्र,
गाय देते राजा को उपहार में।।
जन का प्रमुख....

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान · शिक्षक का सम्मान · मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 4 वैदिक काल

प्रकरण- वैदिक कालीन समाज की इकाइयाँ

717

तर्ज- ज़िन्दगी एक सफर है सुहाना

वैदिक काल के समाज को जाने।
कितनी थी इकाई पहचाने।।

आर्य कबीलों में रहते थे,
और कबीलों को जन कहते थे।
जन का स्वामी राजा कहलाते,
वैदिक काल के समाज को जाने।।

कई विश एक जन में होते,
मुखिया इसके विशपति थे।
कई ग्राम मिलकर विश बनाते,
वैदिक काल के समाज को जाने।।

ग्राम का प्रमुख ग्रामणी होता,
ग्राम कई कुलों में विभाजित था।
कुल का मुखिया कुलप कहलाए,
वैदिक काल के समाज को जाने।।

रचना

ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 4 वैदिक काल

प्रकरण- वैदिक कालीन समाज का स्वरूप

718

तर्ज- ज़िन्दगी एक सफर है सुहाना

वैदिक कालीन समाज क्या है।
आओ बच्चों तुम्हें हम बताएँ।।

वैदिक कालीन समाज का आधार,
होता था बच्चों एक परिवार।
मुखिया इसका क्या कहाए,
आओ बच्चों तुम्हें हम बताएँ।।

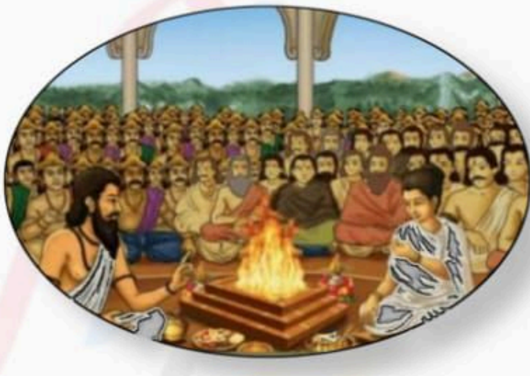

कुलप या गृहपति था मुखिया,
चार वर्ण में समाज विभाजित था।
यह वर्ण थे क्या कहलाए,
आओ बच्चों तुम्हें हम बताएँ।।

ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र,
वर्ण ये काम के आधार पर थे।
लोपा, घोषा, शचि सी थी महिलाएँ,
आओ बच्चों तुम्हें हम बताएँ।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 4 वैदिक काल

719

प्रकरण- वैदिक कालीन आश्रम व्यवस्था

तर्ज- तेरे नाम..

जीवन की अवस्थाओं पर थी,
आश्रम व्यवस्था निर्भर।
सौ वर्ष की आयु बँटी थी,
चार भागों में बराबर।।

पच्चीस साल तक ब्रह्मचर्य अवस्था थी,
जिसमें शिक्षा बच्चों की पूरी होती थी।
दूसरा आश्रम गृहस्थ आश्रम कहलाए,
जिसमें व्यक्ति सब पारिवारिक सुख पाए।।
छब्बीस से पचास वर्ष तक,
व्यक्ति कहलाता था गृहस्थ।
सौ वर्ष की......

पचास से पचहत्तर वर्ष के बीच में,
वानप्रस्थ में प्रवेश व्यक्ति करते थे।
जिम्मेदारियों से मुक्त हो वन जाकर,
आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त वो करते थे।।
चौथा सन्यास आश्रम था,
मोक्ष प्राप्ति को करते चिन्तन।
सौ वर्ष की.....

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 4 वैदिक काल

प्रकरण- चार वेद

720

तर्ज- ज़िन्दगी एक सफर है सुहाना

हमने वेदों के बारे में जाना।
वैदिक काल का आया जमाना।।

विद् शब्द संस्कृत भाषा का,
वेद शब्द है उससे बना।
जिसका अर्थ होता है 'जानना',
वैदिक काल का आया जमाना।।

ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद,
चौथी नम्बर पर अथर्ववेद।
जिसमें वर्णित जादू-टोना,
वैदिक काल का आया जमाना।।

सबसे पुराना वेद ऋग्वेद,
सात स्वर सिखाता है सामवेद।
यजुर्वेद सिखाए यज्ञ करना,
वैदिक काल का आया जमाना।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 4 वैदिक काल

प्रकरण- वैदिककालीन शिक्षा और भाषा

721

तर्ज- कोठे ऊपर कोठरी...

वैदिक कालीन शिक्षा और,
भाषा को आओ जाने हम।
हुए हैं क्या-क्या परिवर्तन,
आओ बच्चों पहचाने हम।।

इण्डो-यूरोपियन परिवार की,
भाषा संस्कृत बोलते थे।
अभी बदले रूपो में,
संस्कृत ही बोले हम।।
वैदिक कालीन....

गुरुकुल में होती थी शिक्षा,
वहीं पर बच्चे रहते थे।
आजकल विद्यालय होते,
और विद्यालय से जाते घर।।
वैदिक कालीन....

वेद, गणित, ज्यामिति, ज्योतिष,
सैन्य, शिल्प, भूगोल थे।
वर्तमान में भी इन विषयों,
की शिक्षा पाए हम।।
वैदिक कालीन...

मिशन शिक्षण संवाद

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 4 वैदिक काल

प्रकरण- वैदिक कालीन खेती व शिल्प

722

तर्ज- सजन रे झूठ मत बोलो...

वैदिक कालीन खेती,
शिल्प विज्ञान हम जाने।
कौन से काम करते थे,
लगे थे क्या-क्या उगाने।।

गंगा-यमुना दोआब में,
बसने को आर्य आए थे।
कृषि करने के खातिर,
जमीं पर हल चलाते थे।।
जौ के साथ गेहूँ, धान,
दालें भी उगाते थे।। खेती....

हस्तशिल्प, ऊन काटते,
घोड़े से रथ बनाते थे।
आता था धातु कर्म उनको,
मिट्टी के बर्तन बनाते थे।।
धातु को बोलते अयस,
लोहे को भी थे जाने।। खेती...

रचना

ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 4 वैदिक काल

प्रकरण- वैदिक काल में पशुपालन

723

तर्ज- कुमार विश्वास के मुक्तक

वैदिक काल के जो आर्य थे,
पहले पशुपालक थे।
गाय और बैल को अपनी,
वो सम्पत्ति मानते थे।।
वस्तुओं को खरीदने में,
गाय का प्रयोग होता,
गाय को वैदिक काल में,
भी पवित्र मानते थे।।

वेदों में गाय को,
अघन्या था कहा जाता।
होता था वह दस्यु,
जो उनको चुराता था।।
आर्यों के आस-पास,
जो किसान लोग रहते थे।
चुरा लेते थे वो गैया,
आर्य उन्हे पणि कहते थे।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 5 छठी शताब्दी ई० पू० का भारत (धार्मिक आन्दोलन)

724

तर्ज- राधे कृष्ण की ज्योति...

प्रकरण- कृष्णा गौतमी और महात्मा बुद्ध का संवाद

रोते-रोते आयी गौतमी,
बोली प्रभु बुद्ध रक्षा करो।
मृत्यु को प्राप्त है बालक मेरा,
हे बुद्ध! इसको जीवित करो।।
रो-रो के हाल बुरा कर बैठी,
इकलौते पुत्र को जीवित करो।
बोले बुद्ध रो मत माता,
जैसा कहूँ बस वैसा करो।।

जाओ उस घर से एक मुट्ठी में,
सरसों के बीज लाकर के दे दो।
जहाँ कभी किसी भी अपने की,
सुन लो मृत्यु नहीं हुई हो।।
कर लो जो तुम ऐसा गौतमी,
पुत्र तुम्हारा जीवित करूँगा।
चिन्ता मत करो अब तुम जाओ,
तब तक मैं बस यही रहूँगा।।

घूम-घूम कर हुई निराश,
टूट गई थी उसकी आस।
कोई ना ऐसा घर वो पायी,
जहाँ किसी की मृत्यु न आयी।।
समझाया तब बुद्ध प्रभु ने,
मृत्यु है उसकी जो है जन्मे।
इच्छाओं को वश में करना,
जो नहीं जीना जीवन दु:ख में।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 5 छठी शताब्दी ई० पू० का भारत (धार्मिक आन्दोलन)

725

तर्ज- धीरे-धीरे प्यार को....

प्रकरण- छठी शताब्दी ईसा पूर्व का धार्मिक आन्दोलन

करने समाज में परिवर्तन।
हुआ था धार्मिक आन्दोलन।।

वैदिक काल के ढकोसले बढ़ने लगे थे,
लोग एक-दूसरे को ठगने लगे थे।
वर्ण व्यवस्था जातिवाद में बन गयी थी,
लोग ऊँच-नीच भी करने लगे थे।।
आया जब समाज में असन्तुलन,
हुआ था धार्मिक....

यज्ञों में पशु बलि की रीति लगी चलने,
लोग तरह-तरह के लगे प्रश्न करने।
यज्ञ क्यों करना है, क्यों लोग मरते हैं,
वैदिक धर्म से लोगों का हटने लगा मन।
अव्यवस्थाओं का करने दमन,
हुआ था धार्मिक.....

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 5 छठी शताब्दी ई० पू० का भारत (धार्मिक आन्दोलन)

726

प्रकरण- महावीर स्वामी

तर्ज- तेरे नाम हमने किया है...

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर,
वर्धमान महावीर थे।
त्रिरत्न और पंच महाव्रत सुझाए,
अच्छे व्यवहार आचरण के।।

वैशाली के कुण्ड ग्राम में जन्म हुआ,
जन्म वर्ष 540 ईसा पूर्व था।
तीस वर्ष की आयु में घर छोड़ आए,
कठिन तपस्या करके जिन थे कहलाए।।
माँ त्रिशला पिता शुद्धोधन थे-2
वर्धमान महावीर के...

जन्म-मरण के चक्कर से हो छुटकारा,
कैवल्य की खातिर है जीवन सारा।
मन, वचन, कर्म से शुद्ध रहो यह समझाया,
जीवन का तब हो विकास ये सिखलाया।।
प्राकृत भाषा में उपदेश देते-2
वर्धमान महावीर थे...

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 5 छठी शताब्दी ई० पू० का भारत (धार्मिक आन्दोलन)

727

प्रकरण- जैन धर्म के त्रिरत्न और पंच महाव्रत

जैन धर्म के त्रिरत्नों को आओ जाने हम।
पंच महाव्रत कौन-कौन से उनको पहचाने हम।।

तर्ज- शायद मेरी शादी का..

सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण है,
जैन धर्म के सिद्धांतों में यह त्रिरत्न है।
शुद्ध करके मन, वचन और कर्म से करना पालन,
त्रिरत्न ने उपदेश का सा, बदल देंगे जो जीवन।।
जीवन का विकास है इनसे, शान्त करें जो मन।
पंच महाव्रत कौन-कौन से उनको पहचाने हम।।

महावीर स्वामी ने दिए थे बच्चों पंच महाव्रत,
करते जो व्यवहार भी अच्छा और शुद्ध आचरण।
अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह ब्रम्हचर्य,
इन्द्रियों को रखना वश में, बोलो सदा तुम सच।।
जीवो को न मारना, न जुटाना अनुचित धन,
शिक्षा यह ही पंचव्रतों की जो है जानें हम।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

अप्रैल 2025

728

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 5 छठी शताब्दी ई० पू० का भारत (धार्मिक आन्दोलन)

प्रकरण- बौद्ध धर्म की शिक्षाएँ

प्रकरण- धीरे-धीरे प्यार को...

आओ बच्चों तुमको बतलाएँ।
महात्मा बुद्ध की जो शिक्षाएँ।।

चार आर्य सत्य हैं, जो सदा यह है कहते।
संसार में दु:ख है, दु:ख का कारण भी है।।
दु:ख को दूर करने, का एक उपाय भी है।
और यह उपाय अष्टांगिक मार्ग है।।
मध्यम मार्ग सब अपनाएँ,
महात्मा बुद्ध की जो शिक्षाएँ।।

सही सोच, बात सही, काम सदा अच्छा करो।
सदा सच बोलो सही जीविकार्जन।।
नजर कार्य व्यवहार पर उन्नति का हो प्रयास।
लक्ष्य पर करो सदा ध्यान केंद्रण।।
पालि भाषा में सब उपदेश पाएँ,
महात्मा बुद्ध की जो शिक्षाएँ।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 6 महाजनपद की ओर

729

प्रकरण- महाजनपद काल

तर्ज- तुम्हारी नजरों में हमने

जो बौद्ध-जैन धर्म के बाद आया।
वही महाजनपद काल कहलाया।।

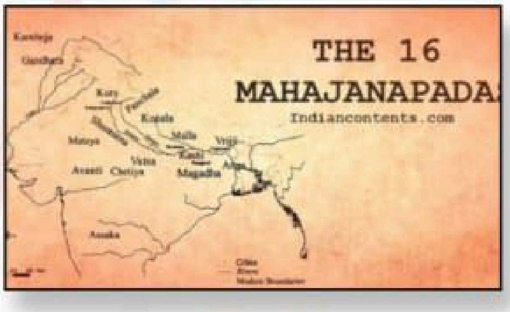

कई छोटे जनपद आपस में मिलकर,
सोलह महाजनपद बन गए थे।
बौद्ध धर्म के अंगुत्तर निकाय में,
महाजनपदों का उल्लेख आया।।
जो बौद्ध-जैन धर्म...

अंग, मगध, काशी, कौशल, वत्स,
चेदि, कुरू, पांचाल, मतस्य।
शूरसेन, अवन्ति, गांधार, अस्मक,
कम्बोज, वज्जि और महाजनपद मल्ल।।
जो बौद्ध-जैन धर्म...

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 7 मौर्य साम्राज्य

730

प्रकरण- मौर्य शासन व्यवस्था

तर्ज- सजन रे झूठ मत बोलो

मौर्य शासन व्यवस्था को,
आओ बच्चों जाने हम।
प्रमुख पद कौन-कौन थे,
और कैसा क्षेत्र विभाजन।।

राजा वंशानुगत और,
मंत्रिपरिषद थी सलाहकार।
राज्यपाल था राजवंश का,
नियुक्त करता राज्य परिवार।।
विकास के काम करता था,
सम्भाले प्रान्त का शासन।।
मौर्य शासन व्यवस्था....

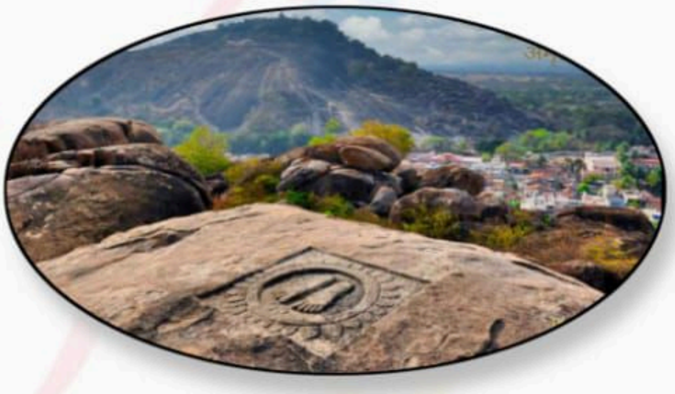

स्थानीय व्यक्ति स्थानिक,
गांव का मुखिया ग्रामिक।
स्थानीय शासन व्यवस्था,
देखना इनका फर्ज था।।
ग्राम सभा की मदद से ही,
निकलता समस्या का हल।।
मौर्य शासन व्यवस्था....

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 7 मौर्य साम्राज्य

प्रकरण- अशोक की आखिरी लड़ाई

731

तर्ज- सजन रे झूठ मत....

था राजा मौर्य वंश का,
नाम उसका अशोक था।
कलिंग के युद्ध से जिसका,
बड़ा बेचैन मन हुआ था।।

भयानक युद्ध के परिणाम,
नहीं थी बात कोई आम।
कहाँ पर शान्ति पाऊँ,
प्रश्न यह आया मन में था।।
बौद्ध धर्म फिर अपनाया था।।
था राजा मौर्य....

प्रजा की ही भलाई में,
लगाए ध्यान अब सारा।
स्तम्भ, शिलालेख, खुदवाकर,
दिया सन्देश था सारा।।
लिखा सब प्राकृत में था।।
था राजा मौर्य....

पुत्र महेंद्र बेटी संघमित्रा,
लंका तक भेजा।
अशोक ने ही बनवाया,
स्तम्भ सारनाथ का।।
राजचिन्ह है जो भारत का।।
था राजा मौर्य....

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 10 पुष्यभूति वंश

732

प्रकरण- हर्षवर्धन

तर्ज- बहुत प्यार करते हैं...

प्रजापालक, उदार हर्ष थे बड़े।
606 ईसवी में राजा बने।।

थानेश्वर से कन्नौज राजधानी लाए,
ह्वेनसांग उनके शासनकाल में आए।
नागानन्द, रत्नावली, प्रियदर्शिका रचे,
606 ईसवी में राजा बने।।

राज्यवर्धन भाई, बहन राजश्री थी,
कन्नौज में धर्म सभा रखी थी।
प्रयाग के मेले में, दान करें,
606 ईसवी में राजा बने।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 11 राजपूत काल (सातवीं से ग्यारहवीं शताब्दी)

733

प्रकरण- राजपूत काल

तर्ज- कभी राम बनके...

प्रतिहार, गढ़वाल, चाहमान और पाल।
वंश आए जब आया राजपूत काल।।

प्रतिहार वंश उज्जैन का था,
नागभट्ट प्रथम वीर शासक उसका।
अरबों को रोका, करने राज्य का विस्तार,
वंश आए जब आया राजपूत काल।।

पनपा कन्नौज में गढ़वाल वंश,
एक राजा हुआ इसका जयचन्द।
मिल मोहम्मद गोरी से पृथ्वीराज हराये,
वंश आए जब आया राजपूत काल।।

सत्ता का केन्द्र दिल्ली बनाए,
चौहान वंश के शासक आए।
चन्दबरदाई जिसका खास,
राजा था वह पृथ्वीराज।।
वंश आए जब आया राजपूत काल।।

खजुराहो के मन्दिर निराले,
चन्देल राजा बनाने वाले।
राजा भोज के परमार,
मालवा पर करते राज।।
वंश आए जब आया राजपूत काल।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 12 दक्षिण भारत (छठीं से ग्यारहवीं शतान्दी)

734

प्रकरण- दक्षिण भारत के राज्य

तर्ज- तुझे सूरज कहूँ...

दक्षिण भारत के उन्नत,
इतिहास की है यह कहानी।
राष्ट्रकूट, चालुक्य, पल्लव,
चोल वंश की मिले निशानी।।

दन्तिदुर्ग राजा ने,
राष्ट्रकूट वंश था बसाया।
कृष्ण प्रथम ने एलोरा का,
कैलाश मन्दिर बनवाया।।
महाराष्ट्र राज्य के निकट थी,
मान्यखेत राजधानी।। राष्ट्रकूट....

पुलकेशिन प्रथम ने फिर था,
चालुक्य वंश से बसाया।
पुलकेशिन द्वितीय प्रतापी,
हर्षवर्धन को था हराया।।
विरुपाक्ष मंदिर बनवाया,
वातापी थी राजधानी।। राष्ट्रकूट....

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

अप्रैल 2025

735

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 12 दक्षिण भारत (छठीं से ग्यारहवीं शताब्दी)

प्रकरण- पल्लव वंश

तर्ज- सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम...

अद्भुत दक्षिण भारत का इतिहास है।
राज्य वंशों में पल्लव वंश में खास है।।

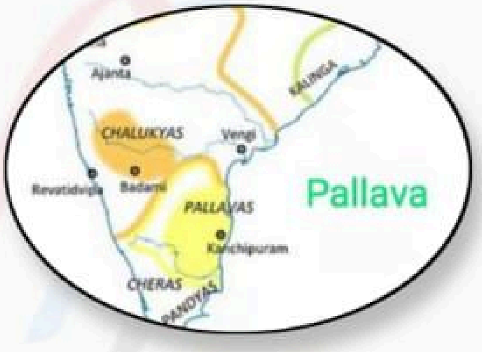

सिंह विष्णु ने इसकी थी स्थापना की,
राजधानी पल्लवों ने बनाई कांची।
महेन्द्र वर्मन दोहराता इतिहास है,
राज्य वंशों में पल्लव वंश में खास है।।

महाबलीपुरम में रथ मंदिर जो है,
पल्लव वंश के शासकों की देन है।
बड़े पत्थर से हुआ विकास है,
राज्य वंशों में पल्लव वंश में खास है।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

अप्रैल 2025

विषय- इतिहास (कक्षा- 6)

पाठ- 12 दक्षिण भारत (छठीं से ग्यारहवीं शताब्दी)

प्रकरण- चोल वंश

736

तर्ज- साजन मेरा उस पार है...

दक्षिण भारत की जो शान है।
चोल वंश बड़ा महान है।।

करिकाल विजयालय राजा थे इसके,
चोल वंश को खूब बढ़ाया था जिसने।
अशोक के शिलालेख में नाम है,
चोल वंश बड़ा महान है।।

स्थानीय स्वशासन है विशेषता,
साम्राज्य को कई भागों में था बाँटा।
मंडलम्, नाडु, कुर्रम नाम है,
चोल वंश बड़ा महान है।।

चौदह मंजिल का वृहदेश्वर मन्दिर,
नटराज की मूर्ति है इसके अन्दर।
चोलों ने करवाया निर्माण है,
चोल वंश बड़ा महान है।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा